हिन्दी पखवाड़ा - 2021 - प्रतिवेदन

संस्थान में दिनांक **14** सितम्बर **2021** को प्रात: **11.30** बजे हिन्दी पखवाड़ा - **2021** का उद्घाटन ऑनलाइन किया गया । उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया । उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संस्थान के संयुक्त निदेशक डा. एन. पी. साहू महोदय ने किया ।

कार्यक्रम के आरंभ में श्री प्रताप कुमार दास, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने हिन्दी दिवस के अवसर पर सभी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए हिन्दी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला । इसी के साथ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील किया कि संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा दें तथा अपना अधिकाधिक कार्य हिन्दी में ही करें । इससे सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग भी बढ़ेगा एवं राजभाषा विभाग द्वारा दिया गए लक्ष्यों की प्राप्ति भी होगी । यह भी संभव है जब हम मिलकर हिन्दी कार्य को आगे बढाएंगे । संस्थान में हिन्दी प्रगति की चर्चा करते हुए हिन्दी पखवाड़ा की रुपरेखा प्रस्तुत किया तथा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित होने वाले प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की ।

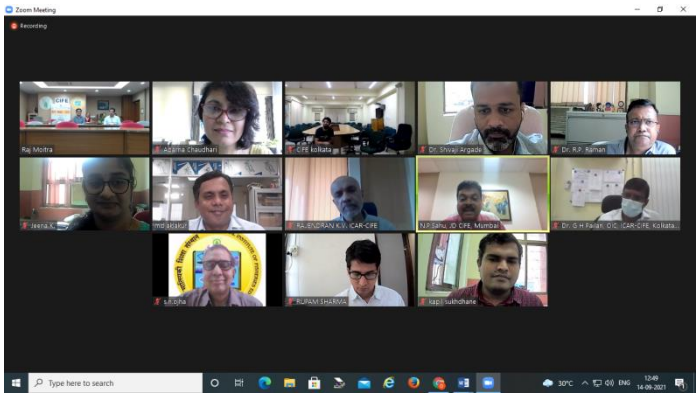

संस्थान के संयुक्त निदेशक डा. एन. पी. साहू ने सर्वप्रथम राजभाषा विभाग, गृहमंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजभाषा प्रतिज्ञा का वाचन करते हुए समस्त कर्मचारियों को राजभाषा के प्रति उत्तरदायित्व निभाते हेतु शपथ दिलाया तत्पश्चात् अपने विशेष उद्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण देते हुए हिन्दी भाषा की महत्ता पर प्रकाश डाला । आपने बताया कि भाषा इतिहास एवं संस्कृति का समन्वय है । अगर हम अपनी भाषायी रुपी संस्कृति की रक्षा नहीं कर पाएंगे तो यह भी पाली, प्राकृत भाषा की तरह मृत और लुप्त हो सकते हैं । इसलिए हमें अपनी राष्ट्रीय भाषा, मातृभाषा से प्रेम करना चाहिए तथा अपने हृदयस्थली में विराजमान रखकर इसका प्रचार-प्रसार करना चाहिए । आपने अपने उद्बोधन में राजभाषा नीतियों, पुरस्कारों तथा प्रशिक्षण से जुड़े उपकरणों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की । हिन्दी को प्रोत्साहित करने हेतु राजभाषा विभाग द्वारा जारी **12** "प्र" शब्द की शब्दश: व्याख्या की । राजभाषा विभाग प्रतिवर्ष हिन्दी में मौलिक लेखन पुस्तक पर राजभाषा गौरव पुरस्कार, राजभाषा कीर्ति पुरस्कार एवं अन्य पुरस्कार योजनाओं का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया । आपने कहा कि हिन्दी टिप्पणी लेखन हेतु "कंठस्थ", लीला मोबाइल ऐप, "मंत्रा" मशीन अनुवाद आदि से हमें परिचित होना चाहिए तथा इन साइटों पर स्वयं को पंजीकरण कराना चाहिए । आपने सभा को यह भी जानकारी दी कि वैश्विक स्तर पर हिन्दी कई देशों में बोली जाती है जैसे फिजी, गुयाना, मॉरीशस, त्रिनिदाद, टोबैको इत्यादि । यू. एन. ओ. ने भी अब हिन्दी में साप्ताहिक मैगजीन प्रारंभ किया है ।

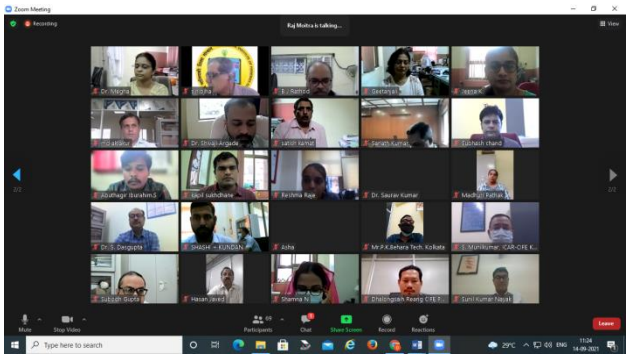

विश्व में हिन्दी की महता को स्वीकारते हुए प्रत्येक वर्ष **10** जनवरी, को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाता है । आपने संस्थान तथा इसके उपकेन्द्रों के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की । हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित होनेवाले कार्यक्रमों में कर्मचारियों से उत्साहपूर्वक भाग लेने की बात कहते हुए अपने वक्तव्य को विराम दिया ।

तत्पश्चात श्रीमती रेखा नायर, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया । इसके साथ ही उद्घाटन सत्र का समापन किया गया ।

उद्घाटन सत्र के पश्चात संस्थान के तीन वैज्ञानिकों ने हिन्दी में व्याख्यान प्रस्तुत किए जिनमें नाम एवं विषय शीर्षक इस प्रकार है -

डा. शेखर नाथ ओझा, विभागाध्यक्ष - विषय "प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना **(PMSSY)"** आपने इस विषय पर विस्तारपूर्वक प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करते हुए अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

डा. अपर्णा चौधरी, विभागाध्यक्ष - विषय "रोंगो से बचाव हेतु टीकों का विकास" - विज्ञान की इस जटिल विषय को आपने सहज एवं सरल हिन्दी में विस्तारपूर्वक समझाया । जिसकी सभी श्रोताओं ने भूरि-भूरि प्रसंशा की ।

डा. मो. अकलाकुर, वैज्ञानिक, मोतीपुर (बिहार) उपकेन्द्र के प्रभारी अधिकारी ने "मछली पालन का भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्व" विषय पर सारगर्भित हिन्दी में व्याख्यान प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रम का मंच संचालन श्री देवेन्द्र धरम, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने सफलतापूर्वक किया ।

पुनश्च हिन्दी अनुभाग द्वारा समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया ।

• संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा - **2021** के अंतर्गत दिनांक **15** सितंबर, **2021** को सभी **6** विभागों के बीच एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन किया गया । इस प्रतियोगिता का विषय इस प्रकार था -

1. सोशल मिडिया का सदुपयोग एवं दुरुपयोग
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिपेक्ष्य में मात्स्यिकी शिक्षा का स्वरुप
3. क्या ऑनलाइन शिक्षा से ऑफलाइन शिक्षा श्रेष्ठ है?
4. मातृभाषा में शिक्षा की प्राथमिकता

इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में सभी **6** विभागों से दो-दो प्रतिभागियों को नामित किया गया था तथा इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल भूतपूर्व सहायक महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली डा. एस. डी. सिंह एवं उत्तर प्रदेश मात्स्यिकी से अवकाश प्राप्त वरि. वैज्ञानिक डा. अरविंद मिश्र थे । प्रतिभागिता का आयोजन डा. एस. एन. ओझा, विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में किया गया ।

• दिनांक **18** सितम्बर, **2021** को संस्थान परिवार के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में **3** से **10** वर्ष एवं **11** से **20** वर्ष तक के आयु के बच्चों का दो समूह रखा गया । इसमें भी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । इस प्रतियोगिता के समिति अध्यक्ष डा. एस. एन. ओझा, विभागाध्यक्ष थे ।

• दिनांक **20** सितम्बर, **2021** को ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता का विषय था -

1. वैश्विक हिन्दी एवं मानवाधिकार संरक्षण - भारत के परिपेक्ष्य में
2. राष्ट्रभाषा हिन्दी का बहुआयमी स्वरुप एवं उपयोगिता
3. भारतीय संस्कृति में महिलाओं का समापन
4. उच्च शिक्षा में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों की तुलनात्मक भूमिका
5. अंर्तराष्ट्रीय नैतिकता एवं आतंकवाद

इस प्रतियोगिता में **10** से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें उपकेन्द्रों के भी वैज्ञानिक एवं अधिकारी शामिल हैं । यह प्रतियोगिता डा. एस. पी. शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई तथा उसके निर्णायक बीएचयू विश्वविद्यालय के डा. मिश्रा एवं डा. किरण दुबे, भूतपूर्व प्रधान वैज्ञानिक, के.मा.शि.सं., मुंबई थी ।

संस्थान में दिनांक **21** सितम्बर, **2021** को समिति कक्ष सं. **421** में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता **(Quiz Competition)** आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में सभी विभागों / अनुभागों से दो-दो अधिकारियों / कर्मचारियों की एक टीम बनाई गई । कुल **6** टीम ने इसमें भाग लिया । प्रत्येक टीम को ऑडियो - विजुअल के माध्यम से प्रश्न पूछा गया । यह प्रतियोगिता लगभग **8** राउंड प्रश्नोत्तरी के साथ निर्णायक दौर में पहुंचा । प्रतियोगिता बेहद रोचक रहा । निर्णायक भूमिका डा. के. के. कृष्णानी, प्रधान वैज्ञानिक एवं डा. एस. एन. नागपुरे, प्रधान वैज्ञानिक ने निभाई ।

• दिनांक **22** सितम्बर, **2021** को संस्थान के सभागृह में महिला दिवस का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में संस्थान की समस्त महिला वैज्ञानिकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधकर्ता एवं अनुबंधित महिलाओं ने भाग लिया । इस समारोह में महिलाओं हेतु दो प्रतिभागियों का आयोजन किया गया ।

1. पारंपारिक वेशभूषा प्रतियोगिता
2. अंताक्षरी प्रतियोगिता

यह प्रतियोगिता एवं कार्यक्रम डा. गीतांजली देशमुखे, प्रधान वैज्ञानिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।

• दिनांक **24** सितम्बर, **2021** को समिति कक्ष सं. **314** में गीत / कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में लगभग **10** प्रतिभागियों ने भाग लिया । प्रतियोगिता काफी रोचक रही । इसके निर्णायक संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. के. के. कृष्णानी, प्रधान वैज्ञानिक एवं डा. परिमल सरदार, विभागाध्यक्ष थे । यह प्रतियोगिता डा. गायत्री त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक की अध्यक्षता में आयोजित किया गया ।

• दिनांक **25** सितम्बर, **2021** को सायंस क्लब व्याख्यान के अंतर्गत एनबीएफजीआर, लखनउ के निदेशक डा. कुलदीप लाल ने राष्ट्रीय मत्स्य आनुवंशिकी ब्यूरो की अनुसंधान उपलब्धियां एवं जीन्स संरक्षण विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया । आपने अपने संस्थान की गतिविधियों का लघु वृत्तचित्र प्रस्तुत किया जो काफी ज्ञानवर्धक एवं रोचक था ।

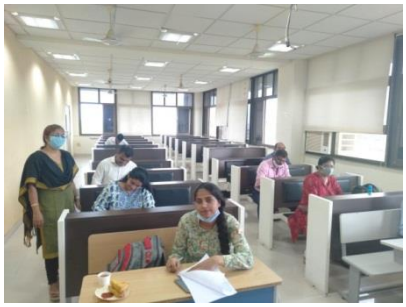

• दिनांक **27** सितम्बर, **2021** को अध्ययन कक्ष संख्या **403** में लेखन प्रतियोगिता आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में भी संस्थान के कर्मचारियों

ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रधान वैज्ञानिक डा. आर. पी. रमण की अध्यक्षता में की गई ।

• जलवायु परिवर्तन से होनेवाले खतरे एवं इनके उपाय - मात्स्यिकी एवं जलीय जीवों के संदर्भ में

• राष्ट्रीय एकता में हिन्दी भाषा का महत्व
• कोविड - 19 के कारण किसानों के बेहतर जीवन निर्वाहन हेतु उपाय
• राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संभावनाएं - उच्च शिक्षा के संदर्भ में

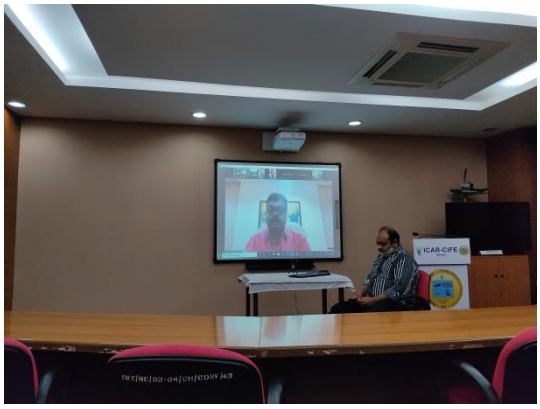

समापन समारोह संस्थान में दिनांक **14** सितम्बर, **2021** को हिन्दी पखवाड़ा - **2021** के समापन समारोह का आयोजन ऑनलाइन आयोजन किया गया । कार्यक्रम समिति कक्ष संख्या - **421** से दोपहर **3.30** बजे से प्रारम्भ किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त निदेशक डा. एन. पी. साहू ने किया । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डा. अन्नपूर्णा चेरला, विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं भाषा विज्ञान, हैदाराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद थी । कार्यक्रम सांकेतिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ आरम्भ हुआ तत्पश्चात् श्री प्रताप कुमार दास, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने हिन्दी पखवाड़ा-**2021** का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । श्रीमती रेखा नायर, सहा. मुख्य तकनीकी अधिकारी ने हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों के नाम एवं प्रमाण पत्र डिस्प्ले किया । सभी ने विजेताओं को तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया । इसके पश्चात् लब्ध प्रतिष्ठित मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (वरि.ग्रेड) श्री के. एल. मीणा ने सभा को संबोधित करते हुए हिन्दी के प्रयोग, सरकारी कामकाज में अधिकाधिक करने की अपील की । संयुक्त निदेशक डा. एन. पी. साहू ने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी से अपील की कि हिन्दी पखवाड़ा सिर्फ **15** दिनों का समारोह बनकर हीं न रह जाए बल्कि सभी कर्मचारी इसका प्रयोग सालोंभर गंभीरता से कामकाज में करें । उन्होंने राजभाषा शपथ की भी याद दिलाया । आपने अपने उद्बोधन में राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के महत्व को विस्तारपूर्वक उदहरणों के साथ समझाया ।

आपने कहा कि भाषा की उपेक्षा कर कोई देश आगे नहीं बढ़ सकता । हमें अपनी भाषा को मन से अपनाना चाहिए न कि इसके प्रति उदासीनता दिखानी चाहिए । भाषा देश की स्मिता, पहचान एवं शान होती है । अत: संस्थान में सालों भर हिन्दी का माहौल बनाएं रखें । आपने वैज्ञानिकों से हिन्दी पुस्तक लेखन आदि की भी अपील की ताकि राजभाषा विभाग एवं परिषद द्वारा चलाए जा रहे पुरस्कार योजनाओं का लाभ लिया जा सके ।

इसके पश्चात् कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. अन्नपूर्णा चेरला मैडम ने हिन्दी की महत्ता, संविधान में अनुच्छेद **343** से **351** तक राजभाषा संबंधी प्रावधानों की व्याख्या, भाषा के माध्यम से मनुष्य का व्यक्तित्व विकास, साहित्य एवं विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध साहित्यों को जन-जन तक पहुंचाने में अनुवाद की महत्ता, मानव और भाषा का सहसंबंध, मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा का अस्तित्व, विकास एवं शिक्षा में अनिवार्यता, नई शिक्षा नीति में हिन्दी भाषा एवं मातृभाषा पर जोर आदि विषयों पर आपने विस्तार से प्रकाश डालते हुए सभा का संबोंधित किया तथा आपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए । आपका संबोधन अत्यंत सारगर्भित एवं प्रेरणादायक था । सभी ने आपकी व्यक्तित्व की भूरी-भूरी प्रसंशा की है । यह संस्थान आपका आभारी है ।

अंत में सुश्री रेवती धोंगडे ने सहा. मु. तक. अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया । इसी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया । स्वागत कक्ष में कर्मचारियों हेतु जलपान की व्यवस्था की गई जहां कोराना प्रोटाकाल को ध्यान रखते हुए सभी ने जलपान ग्रहण किया ।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्री देवेन्द्र धरम, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने किया ।